विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ दिनांक -28 - 12- 2020

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में अध्ययन करेंगे ।

तत्पुरुष समास के भेद

1. कर्म तत्पुरुष
2. करण तत्पुरुष
3. संप्रदान तत्पुरुष
4. अपादान तत्पुरुष
5. संबंध तत्पुरुष
6. अधिकरण तत्पुरुष

कर्म तत्पुरुष → **"को"**

जैसे → **चित्तचोर** = चित्त **को** चुराने वाला

मनोहर = मन **को** हरने वाला

स्वर्गत = स्वर्ग **को** गया हुआ

करण तत्पुरुष → **"से" अथवा "द्वारा"**

जैसे → **धनरहित** = धन **से** रहित

वाल्मीकिरचित = वाल्मीकि **द्वारा** रचित

संप्रदान तत्पुरुष → **के लिए**

जैसे → **देशभक्ति** = देश **के लिए** भक्ति

सत्याग्रह = सत्य **के लिए** आग्रह

अपादान तत्पुरुष → **"से"**

जैसे → **भयमुक्त** = भय **से** मुक्त

विधाहीन = विधा **से** हीन

संबंध तत्पुरुष→ **"का, के, की"**

जैसे → **सेनानायक** = सेना **का** नायक

यमुनातट = यमुना **का** तट

राजपुत = राजा **का** पुत्र

अधिकरण तत्पुरुष→ “मे” या “पर”

जैसे → **नीतिकुशल** = नीति **में** कुशल

दानवीर = दान **में** वीर

(4) कर्मधारय समास

जैसे →

चंद्रमुख = चंद्र जैसा मुख

उपमान = चंद्र

उपमेय = मुख

महापुरुष = महान है जो पुरुष

विशेषण = महा (महान)

विशेष्य = पुरुष

जिस समास के पहले तथा दूसरे पद में विशेषण, विशेष्य अथवा उपमान उपमेय का संबंध होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं |